गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

SI न्यूज़

साप्ताहिक
स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 18 | गोरखपुर रविवार 26 अक्टूबर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

दलित विरोधी भाजपा से डरना नहीं, लड़ना है, कथित पेशाब कांड पर बोले जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में एक व्यक्ति के साथ हुई कथित अमानवीय घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर एक बार फिर हमला बोला है। पटवारी ने इससे जुड़ी मीडिया में आई खबरों को लेकर सोशल मीडिया पर कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार दलित विरोधी है। यह बयान नहीं, सबूत वाली सच्चाई है। उन्होंने कहा कि राज्य में दबंगों का डर दलितों की धड़कन बढ़ा रहा है। सत्ता-संरक्षण ने पुलिस,प्रशासन को भी पंगु बना दिया है। दलित समाज उत्पीड़न और अपराध के एक-एक दर्द को याद रखे और एक-एक सरकारी-अत्याचार का हिसाब रखे।

कोल्ड्रिफ सीरप कांड पर दिग्विजय की पीएम से मांग

भोपाल/छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सीरप पीने से बच्चों की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर गंभीर सवाल उठाए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य स्वास्थ्य विभाग की भूमिका संदिग्ध है और उनकी कार्यप्रणाली की जांच जरूरी है।

पीएम मोदी से मिले एकनाथ शिंदे

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निवास पर पहुंचकर उन्हें दीपावली और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शिंदे ने प्रधानमंत्री को शाल, पुष्पगुच्छ और संत तुकाराम महाराज की मूर्ति भेंट की। बैठक के दौरान केंद्र और राज्य सरकार के बीच कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई, जिसे राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी घटक दलों से विचारों के साथ मजबूती से जुड़े रहने और गठबंधन को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने शिंदे परिवार को भी दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

राजद कार्यालय के बाहर लगा बड़ा पोस्टर

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पटना स्थित केंद्रीय कार्यालय के बाहर एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है, जिसमें पार्टी के नेता तेजस्वी यादव को शिबहार का नायकश के रूप में बताया गया है। पोस्टर पर तेजस्वी की प्रमुख तस्वीर के साथ लिखा नारा बिहार का नायक चुनावी माहौल को नया रूप दे रहा है। यह पोस्टर महागठबंधन की ओर से तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के ठीक बाद लगाया गया है, जो विपक्षी दलों के बीच एकजुटता का संदेश दे रहा है। राजद कार्यकताओं का दावा है कि यह पोस्टर जल्द ही पूरे बिहार के घर-घर और गांव-गांव तक पहुंचेगा, ताकि जनता को 20 साल पुरानी खटारा सरकार से मुक्ति दिलाने का संदेश दिया जा सके।

औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी: मुख्यमंत्री

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल दिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अब "जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी" का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए। इन पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन एवं नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में

औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि तथा संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु।

घुसपैठियों के वोट से बिहार में सरकार बनाना चाहता है विपक्षी गठबंधन : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी

(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी इंडिया गठबंधन बिहार में अगली सरकार घुसपैठियों के वोट की मदद से बनाना चाहता है। वैशाली जिले में बुद्धिजीवियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि विपक्षी दल अब वोट चोरी के आरोपों पर बात करना बंद कर चुके हैं, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने उन आरोपों के समर्थन में हलफनामे मांगे हैं। उन्होंने कहा, विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर आपत्ति जताई थी, क्योंकि वे घुसपैठियों के वोट के आधार पर सरकार बनाना चाहते हैं। लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ऐसा कभी नहीं होने देगी। अब वे पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं, क्योंकि उनके पास अपने आरोपों का कोई सबूत नहीं है। नड्डा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी राजद का मतलब है— रंगदारी, जंगलराज और दबंगई। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार को जंगलराज से मुक्त कराया है।

संगठन सृजन अभियान महत्वपूर्ण, प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी हो : अशोक गहलोत

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संगठन सृजन

अभियान को कांग्रेस पार्टी के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए शुक्रवार को कहा कि इसकी प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज देश को कांग्रेस की जरुरत है। राजस्थान में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए चल रहे संगठन सृजन अभियान संबंधी एक सवाल पर गहलोत ने कहा, ये कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है हमारे लिए।

राजद बिहार में जंगल राज बहाल करेगा, एनडीए में पाँच पांडव हैं : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बिहार के खगड़िया में हुई चुनावी रैली पर राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। शाह ने क्षेत्र में श्री कृष्ण सेतु, मेडिकल और इंजीनियरिंग

ध्यान केंद्रित किया गया है, जहाँ उन्होंने राजग सरकार की विकास परियोजनाओं, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा, 'मैं आपसे वादा करता हूँ कि हम बिहार से हर एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर निकाल देंगे।' उन्होंने राहुल गांधी और महागठबंधन सहित विपक्ष पर जमकर हमला बोला और उन पर वोट बैंक की कॉलेज, और रेलवे लाइन दोहरीकरण जैसी कई बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का ब्यौरा दिया और राजग के कार्यों की तुलना पिछली राजद सरकारों के कथित भ्रष्टाचार और विकास की कमी से की। उन्होंने सर्जिकल और एयर स्ट्राइक जैसे कार्यों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी दिया।

बिहार में अति-पिछड़ा वर्ग से कोई डिप्टी सीएम बनता है तो अमित शाह को इतनी नफरत क्यों: तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समस्तीपुर रैली में लालटेन वाले बयान पर पलटवार किया है। तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी लालटेन पर अटकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन महागठबंधन रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जनता के मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बिहार की जनता बदलाव के मूड में है। लोग इस सरकार से तंग आ चुके हैं, जहां अधिकारी भ्रष्ट हैं, रिश्वतखोरी व्याप्त है और अक्षमता चरम पर है। पूरा माहौल महागठबंधन के पक्ष में है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता इस स्थिति में बदलाव लाएगी और महागठबंधन की सरकार बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता अब जागरूक है और पुरानी व्यवस्था को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के भाषण को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि उनके हर शब्द में नकारात्मकता थी। उन्होंने बिहार को बदनाम करने वाली बातें कीं, कोई सकारात्मक या फलदायी बात नहीं कही। 11 साल से प्रधानमंत्री

मोदी हैं, बिहार को क्या दिया? गुजरात में बुलेट ट्रेन, इंटरनेशनल स्टेडियम और फैक्ट्रियां दी गई, लेकिन बिहार में कितनी बार इन्वेस्टर मीट हुई? बिहार को सिर्फ ठगने का काम किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात को हर सुविधा दी जाती है, जबकि बिहार को एक प्रतिशत भी नहीं मिला। तेजस्वी ने कहा कि बिहार की जनता बेवकूफ नहीं है। वह हर चीज का हिसाब मांग रही है, लेकिन पीएम मोदी के पास कोई जवाब नहीं है। तेजस्वी ने भाजपा पर अति-पिछड़ा वर्ग के प्रति नाराजगी का आरोप लगाया।

सम्पादकीय...

जीवन रक्षक ओआरएस

सेहतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य-पेय उत्पाद बेचना आज के बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर ओआरएस यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह, यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से ओआरएस शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे ओआरएस शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए, लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदार्थों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था। यह तथ्य भी चैंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे ओआरएस पेय का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है। उन्होंने ओआरएस बिक्री के चैदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। हकीकत में इसका लाभ कंपनियां अपने ब्रांड का भरोसा बढ़ाने और फार्मेसियों और किराने की दुकानों में समान रूप से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में कामयाब होने में उठाती हैं। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं।

राशिफल

मेषः- पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

बृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्कः- भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक ढंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

कन्याः- छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे-संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुलाः- वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्टा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- कोई छोटी बात भी परिवार कें तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

भारतीयों को क्यों केरल मॉडल पर गर्व होना चाहिए

सिद्धार्थ रामू

योजना आयोग को खत्म कर नरेंद्र मोदी सरकार ने नीति आयोग गठित किया। इसी नीति आयोग की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार केरल में सिर्फ 0.7 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा (इसे अत्यधिक गरीबी भी कहा जाता है।) के नीचे हैं। केरल की सरकार ने इन 0.7 प्रतिशत परिवारों को चिन्हित किया और इनकी गरीबी को खत्म करने के लिए विशेष कदम उठाए। इसके नतीजे के तौर अब यह स्थिति है कि केरल में कोई परिवार या व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे नहीं है। इसकी औपचारिक घोषणा केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने की। केरल की इस उपलब्धि को सेलीब्रेट करने के लिए 1 नवंबर को केरल की राजधानी तिरुवनन्तपुरम में आयोजन होगा। यदि नीति आयोग के आंकड़ों (2021) आधार पर देखें तो पूरे भारत में गरीबी रेखा के नीचे 14.96 प्रतिशत लोग हैं। गुजरात में 11.66 प्रतिशत, बिहार में 33.76 प्रतिशत और यूपी में 22.93 प्रतिशत लोग हैं। गरीबी रेखा के इस पैमाने को बहु आयामी गरीबी (डनसजपकपउमदेपवदंस च्वअमतजल प्दकमॐ (डच्) के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें आर्थिक आय-व्यय नहीं, बल्कि जीवन-स्तर, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी चीजें शामिल होती हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2021 में केरल में जो 0.7 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी, उन्हें गरीबी रेखा के से ऊपर लाने के लिए केरल ने कई सारे उपाय किए। सबसे पहले केरल की सरकार ने ऐसे गरीब परिवारों के चिन्हित किया। इनकी संख्या केरल में 64,006 थी। इसे चिन्हित करने का आधार इन परिवारों के पास उपलब्ध खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, जीविकोपार्जन के साथ और आवास को बनाया गया। इसमें ऐसे परिवार भी थे, जिनके नाम वोटर लिस्ट में नहीं थे, जिनके पास आधार कॉर्ड नहीं था और जिन्हें राशन कार्ड भी नहीं मिला था। ऐसे व्यक्तियों की संख्या 21,263 थी। उसके बाद केरल सरकार ने इन 64,006 परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए हर परिवार के लिए ठोस उपाय अख्तियार किया। 3,913 परिवारों को घर उपलब्ध कराया गया। 1, 338 परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई गई। 5,651 परिवारों को टूटे-फूटे घर की मरम्मत के लिए प्रति परिवार 2 लाख रूपए उपलब्ध कराए गए। इस तरह एक परिवार और व्यक्ति को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए अलग-अलग ठोस कदम उठाए गए। इस काम में राज्य सरकार और अन्य सभी स्थानीय निकायों- संस्थाओं पंचायत, जिला परिषद, महापालिका, नगर पालिका आदि ने अपनी-अपनी भूमिका निभाई। इसमें कई स्थानीय निकायों में विपक्षी पार्टियां बहुमत में थीं। उनका उन संस्थाओं पर नियंत्रण था,लेकिन सभी ने मिलकर केरल के हर परिवार और व्यक्ति को गरीबी रेखा से निकाले के पूरी तरह एकजुट होकर काम किया। केरल इंसानी उन्नति, प्रगति और समृद्धि में सबकी साझेदारी के मामले में भारत का सबसे उन्नत प्रदेश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे उन्नत विकसित देशों की बराबरी करता है, कुछ से आगे भी है। इन देशों में अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, चीन और क्यूबा जैसे देश भी शामिल हैं। इस बात की पुष्टि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा योजना आयोग की जगह बनाए गये नीति आयोग की 2023-24 की रिपोर्ट भी करती है। नीति आयोग की रिपोर्ट (ैक्ळ प्दकपं पदकमॐ 2023-24) कहती है कि केरल मानव विकास सूचकांक में भारत का शीर्ष प्रदेश है। नीति आयोग ने केरल को 79 मार्क दिया है, उसके 78 मार्क के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है। बिहार को 57 मार्क दिया गया है। बिहार और केरल

के बीच 22 मार्क का अंतर है। इस मार्क में मानव विकास से जुड़े 16 बड़े लक्ष्य शामिल थे। इन 16 बड़े लक्ष्यों में आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण संबंधी लक्ष्य शामिल हैं। सहज-स्वाभाविक सी बात है कि इसमें पोषण का स्तर, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं पहले स्थान पर हैं केरल इंसानी उन्नति के पैमाने पर दुनिया के सबसे उन्नत देशों के बराबर है या उनसे आगे है। इसके कुछ सीमित ठोस आंकड़े देखते हैं, जिससे नीति आयोग द्वारा केरल को दिए शीर्ष स्थान की पुष्टि होती है। साक्षरता किसी देश या प्रदेश की उन्नति के बुनियादी मानकों में से एक है। नेशनल सर्वे की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार केरल की साक्षरता दर 96.2 प्रतिशत है। भारत की कुल औसत साक्षरता दर इस सर्वे के अनुसार 77.7 प्रतिशत है। यूनेस्कों के आंकड़ों के अनुसार विश्व की साक्षरता दर 86.5 प्रतिशत है। आंकडों से साफ है कि केरल की साक्षरता दर भारत की औसत साक्षरता दर से करीब 18 प्रतिशत और विश्व की साक्षरता की औसत साक्षरता दर से करीब 10 प्रतिशत अधिक है ये आंकडे कुछ बातें साफ कर देते हैं। पहली तो यह कि जिस प्रदेश में आधी आबादी हिंदू, एक चैथाई मुस्लिम और 20 प्रतिशत ईसाई है, यदि उसमें सबके बीच साक्षरता की दर कमोबेश समान न हो तो 96.2 प्रतिशत साक्षरता की दर हासिल ही नहीं की जा सकती है। केरल उन राज्यों में से है जो उच्च शिक्षा पर सबसे अधिक धन खर्च करते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है।

कुछ खास...

तेजस्वी के नाम पर मुहर, देर आए, दुरुस्त आए

बिहार की सियासत में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पड़ाव आया है। तेजस्वी

यादव अब बाकायदा महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दिए गए हैं। बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू की तेजस्वी यादव से खास मुलाकात हुई, इसमें लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी भी मौजूद थे, तभी तय हो गया था कि अब महागठबंधन में मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया जाएगा। इस मुलाकात के बाद यह भी साफ हो गया कि महागठबंधन बिखर गया है। बीते कई दिनों से एनडीए के नेता लगातार ये बयान दिए जा रहे हैं कि जो लोग अपने गठबंधन को नहीं संभाल पाए, वो राज्य क्या संभालेंगे। दरअसल कांग्रेस, आरजेडी समेत महागठबंधन के ही तमाम लोगों ने यह मौका एनडीए को दिया कि वह उनके मामूली मतभेदों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करे। महागठबंधन ने सीट बंटवारे का कोई ऐलान नहीं किया, कुछ सीटों पर राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी दोनों ही उतार दिए गए तो कुछ पर वामदलों के साथ कांग्रेस के मुकाबले की संभावनाएं बनीं। जनअधिकार पार्टी के नेता और सांसद पप्पू यादव खुलेआम कांग्रेस का साथ देते हैं और उनका दावा है कि बिहार में राहुल गांधी बनाम नरेन्द्र मोदी का चुनाव है। पप्पू यादव ने लालू प्रसाद को अभिभावक बताते हुए यह अपील भी कर दी कि जो कांग्रेस की सीटें हैं, वहां राजद के प्रत्याशी न उतारे जाएं। बेशक ऐसा ही होना चाहिए लेकिन पप्पू यादव के इस तरह सार्वजनिक तौर पर बयान देने से बनी हुई बात भी बिगड़ सकती है। कांग्रेस और राजद दोनों ही दलों को अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को सख्त हिदायत देनी चाहिए कि पार्टी लाइन से हटकर कुछ न कहें और खासकर गठबंधन के लोगों के बारे में बिना अधिकृत हुए बयान न दें। महागठबंधन को यह समझना चाहिए कि उसका मुकाबला केवल दूसरे गठबंधन से नहीं है। बल्कि उस एनडीए से है, जिसका नेतृत्व भाजपा कर रही है। केंद्र से लेकर राज्य की सत्ता उसके हाथ में है। संसाधनों के मामले में वह महागठबंधन से काफी ज्यादा मजबूत है। सारी केन्द्रीय एजेंसियां उसके अधीन हैं और जनसुराज पार्टी, बसपा, एआईएमआईएम जैसे दल भी किसी न किसी तरह भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए ही मैदान में उतरते हैं। ऐसे में महागठबंधन के पास अपनी भावी रुपरेखा दिखाने के अलावा और कुछ खास नहीं बचता है, जिसके आधार पर वह जनता को अपने साथ करे। जनता भी बदलाव चाहती है, लेकिन उसके लिए सामने बेहतर विकल्प होना चाहिए। अगर आपस में ही सारे दल लड़ेंगे तो फिर नुकसान ही होगा। 2019 के चुनाव इसका उदाहरण हैं, जिसमें विपक्ष की एकता कायम नहीं हो पाई। लेकिन 2024 के चुनाव में सब एक साथ टिके रहे तो हालात बेहतर हुए। झारखंड चुनाव में भी कांग्रेस और जेएमएम के साथ लड़ने का फायदा मिला, हालांकि अंदरूनी टकराव वहां भी रहा, फिर भी भाजपा हार गई। अब जेएमएम के लिए एक भी सीट न छोड़कर इंडिया गठबंधन ने उसे नाराज कर दिया है। अगर किसी घटक दल को सीट बंटवारे से बाहर रखना है, तो उसकी भरपाई कैसे हो, इसका इंतजाम इंडिया को करना चाहिए था।

कांतारा: चैप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन का वीडियो आया सामने, मेकर्स ने किया शेयर

भारत की ग्रामीण कहानियों से लेकर पूरे देश में हिट होने तक, कांतारा चैप्टर 1 अपनी मेहनत और सोच का नतीजा साबित हुई है। ऋषभ शेट्टी ने बर्मे के किरदार में शानदार परफॉर्मेंस दी है, और फिल्म में पुरानी कहानियों, शानदार विजुअल्स और साहसी कहानी कहने के अंदाज को खूबसूरती से दिखाया है। फिल्म के हर पल में पुराने रिवाज और जनजातीय संस्कृति की झलक है, और यह फिल्म सिर्फ एंटरटेन नहीं करती बल्कि एक शानदार अनुभव देती है। दर्शक और समीक्षक दोनों ही इसे खूब पसंद कर रहे हैं, और सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा इसे और खास बना रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाका मचाते हुए, फिल्म ने नया मुकाम हासिल किया है और देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। कांतारा चैप्टर 1 ने दुनिया भर में 765 करोड़ से अधिक की कमाई की है। इस जबरदस्त सफलता के साथ, फिल्म आगे और भी बड़े मुकाम हासिल करने की दिशा में बढ़ रही है। कांताराः चैप्टर 1 चैथी शताब्दी ईस्वी में सेट कहानी है और कांतारा की रहस्यमयी धरती की पवित्र शुरूआत को पेश करती है। इस चैप्टर में इसकी समृद्ध पौराणिक कथाओं, पुराने संघर्षों और दिव्य हस्तक्षेपों की गहराई में उतरते हुए लोककथा, आस्था और जुनून की एक कहानी बुनी गई है, जो जमीन की मिट्टी से ही जन्मी है।फिल्म में ऋषभ शेट्टी, सप्तमी गौड़ा, गुलशन देवैया, रुक्मिणी वसंत, जयराम, पीडी सतीश चंद्र, प्रकाश थुमिनाड और कई प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं, जो इस महाकाव्य कहानी को खूबसूरती से सामने लाते हैं। ऋषभ शेट्टी स्टारर कांतारारू चैप्टर 1 को उन्होंने ही लिखा और डायरेक्ट किया है। इसे विजय किरगंदूर ने होंबाले फिल्म्स के बैनर तले बनाया है। फिल्म की शूटिंग अरविंद एस. कश्यप ने की और संगीत बी. अजयनीश लोकनाथ ने दिया है, जिन्होंने ओरिजिनल फिल्म की जादुई दुनिया को बनाने में मदद की है। कांताराः चैप्टर 1, 2 अक्टूबर 2025 को पूरी दुनिया में रिलीज हो चुकी है।

दो पहलू, एक लड़ाई, हक से यामी और इमरान के शानदार कैरेक्टर पोस्टर आए सामन

टीजर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, अब हक का ट्रेलर भी जल्द ही आने वाला है। राजी, तलवार, और बधाई दो जैसी दमदार और बातचीत शुरू करने वाली फिल्में बनाने वाले स्टूडियो जंगली पिक्चर्स ने इसे प्रोड्यूस किया है, और यह एक बार फिर धूम मचाने के लिए तैयार है। सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से प्रेरित, यह फिल्म 80 के दशक की सबसे

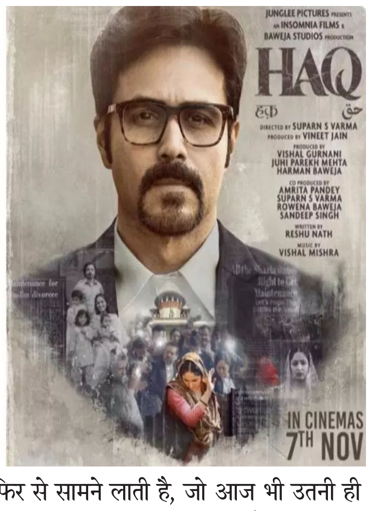

विवादास्पद और जरूरी बहसों में से एक को फिर से सामने लाती है, जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, क्या एक राष्ट्र, एक कानून होना चाहिए? हमें व्यक्तिगत विश्वास और धर्मनिरपेक्ष कानून के बीच कहां लकीर खींचनी चाहिए? इंतजार को और बढ़ाते हुए, यामी गौतम धर और इमरान हाशमी के नए जारी किए गए कैरेक्टर पोस्टर शकश की दुनिया की एक दमदार पहली झलक देते हैं। यामी का पोस्टर अपनी गरिमा और अधिकारों के लिए लड़ रही एक महिला के लचीलेपन को दिखाता है, जबकि इमरान का पोस्टर कानून, विश्वास और जमीर के बीच फँसे एक आदमी की तीव्रता को दर्शाता है। दोनों पोस्टर मिलकर एक ऐसी दुनिया को दिखाते हैं जो विश्वास से बंटी हुई है फिर भी न्याय की तलाश से जुड़ी हुई है, जो आगे आने वाली कहानी के लिए माहौल एकदम सही सेट करता है। यामी गौतम धर और इमरान हाशमी अभिनीत, शकश एक प्रेरणादायक महिला की कहानी को जीवंत करती है जो चुप रहने से इनकार करती है। इमरान हाशमी एक तेज-तर्रार वकील का किरदार निभा रहे हैं जो इस जबरदस्त इन्टेन्स ड्रामा में उसका साथ देते हैं, जो समाज को एक स्टैंड लेने की हिम्मत देता है। जंगली पिक्चर्स के साथ-साथ इंसोमनिया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज द्वारा निर्मित, हक दमदार, सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की जंगली पिक्चर्स की विरासत को जारी रखती है। ट्रेलर 27 अक्टूबर को रिलीज होने वाला है, और इस फिल्म के लिए उत्सुकता लगातार बढ़ रही है, जिसे कई लोग 2025 का डार्क हॉर्स कह रहे हैं। शकश 7 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आ रहा है, और एक ऐसी बहस को फिर से शुरू कर रही है जो कभी खत्म नहीं हुई।

ब्रेन एन्यूरिज्म से जूझ रहीं किम कार्दशियन, कान्ये पर बोलीं- मेरा एक्स हमेशा मेरी ज़िंदगी में रहेगा

किम कार्दशियन और कान्ये वेस्ट का तलाक और कस्टडी की लड़ाई खबरों में छाई हुई है। अभिनेत्री ने "द कार्दशियन्स" शो में अपने जीवन के बारे में जानकारी दी है। सीजन 7 के प्रीमियर के दौरान, एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें ब्रेन एन्यूरिज्म है। अपने तलाक के भावनात्मक बोझ और चल रही व्यक्तिगत चुनौतियों पर खुलकर विचार करते हुए, किम ने स्वीकार किया कि इस तनाव ने उनके स्वास्थ्य पर गहरा असर डाला है।

किम कार्दशियन को ब्रेन एन्यूरिज्म का पता चला

द कार्दशियन्स के आगामी सीजन 7 के टीजर एपिसोड क्लिप के अनुसार, किम कार्दशियन अपने परिवार को ब्रेन एन्यूरिज्म का पता बताने से पहले एमआरआई स्कैनर में प्रवेश करती हुई दिखाई देती हैं। उनकी बड़ी बहन, कर्टनी कार्दशियन, चौंककर "वाह!" कहती हैं। इससे पहले किम डॉक्टर के निष्कर्षों के बारे में बतातीं, "वे ऐसे थे, 'बस तनाव!'" उन्होंने आगे कहा, "लोग सोचते हैं कि मेरे पास दूर जाने की सुविधा है। मुझे खुशी है कि यह खत्म हो गया। मेरा पूर्व प्रेमी चाहे कुछ भी हो, मेरी ज़िंदगी में रहेगा। लेकिन बाद में, वह टूट गईं और बोलीं, "कल रात मैं सोच रही थी, 'आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? किम ने यह भी बताया कि उनका सोरायसिस- एक पुरानी त्वचा की बीमारी जिससे वह सालों से जूझ रही थीं- फिर से उभर आया था। उन्होंने बताया, "तलाक के बाद से मुझे सोरायसिस नहीं हुआ है, और यह अचानक वापस आने लगा है।" एन्यूरिज्म रक्त वाहिका की दीवार में एक उभार या गुब्बारा होता है। फटे हुए एन्यूरिज्म से आंतरिक रक्तस्राव हो सकता है, जो जानलेवा हो सकता है। हालाँकि, अगर एन्यूरिज्म छोटा है और फटा नहीं है, तो इसका इलाज संभव है।

किम कार्दशियन के स्वास्थ्य के बारे में

किम पहले भी अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में खुलकर बात करती रही हैं। उन्होंने पहले सोरायसिस और सोरायटिक गठिया से अपनी लड़ाई का खुलासा किया था। डेली मेल के अनुसार, 2015 में, उन्होंने प्लेसेंटा एक्रीटा से पीड़ित होने के बारे में खुलकर बात की थी, जो एक खतरनाक गर्भावस्था जटिलता है जिसका सामना उन्हें अपने बच्चों, नॉर्थ और सेंट, को जन्म देते समय करना पड़ा था।

किम और कान्ये वेस्ट के बारे में

ये और कार्दशियन ने 2014 में शादी की थी, और 2021 में तलाक के लिए अर्जी देने से कई साल पहले ही उनकी शादी में परेशानियाँ शुरू हो गई थीं। 2016 में वेस्ट के अप्रत्याशित व्यवहार के कारण उनके रिश्ते में काफी तनाव आ गया था। नवंबर 2022 में, उनका तलाक तय हो गया। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि कान्ये वेस्ट की बेटियाँ नॉर्थ (11) और शिकागो (6) और बेटा स्तोत्र (5) भी कार्दशियन के साथ हैं।

मिनटों में दूर होगी पेट में गैस की समस्या इन घरेलू उपायों से तुरंत मिलेगा आराम

पेट में गैस होना एक बहुत ही आम समस्या है जो किसी को भी, कभी भी परेशान कर सकती है। यह तब होता है जब पाचन तंत्र में भोजन को पचाने के दौरान गैस जमा हो जाती है, जिससे पेट फूलने, पेट में दर्द और बेचैनी महसूस होती है। यह समस्या अक्सर तब बढ़ जाती है जब हम जल्दी-जल्दी खाते हैं, भोजन को ठीक से चबाते नहीं हैं, या फिर तैलीय, मसालेदार, और गैस बनाने वाले खाद्य पदार्थों (जैसे गोभी, राजमा, छोले) का अधिक सेवन करते हैं। वैसे तो इस समस्या के लिए बाजार में ढेर सारे दवाओं के विकल्प हैं, लेकिन गैस की समस्या के लिए तुरंत दवा लेना हमेशा जरूरी नहीं है, क्योंकि इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी होते हैं। हमारे किचन में ही कई ऐसी चीजें मौजूद हैं जो मिनटों में इस समस्या से राहत दिला सकती हैं। ये खाद्य पदार्थ गैस के बुलबुलों को तोड़ने और उन्हें बाहर निकालने में मदद करती हैं, जिससे आपको तुरंत आराम महसूस होता है। इन सरल नेचुरल उपायों को अपनाकर आप बिना किसी साइड इफेक्ट के इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

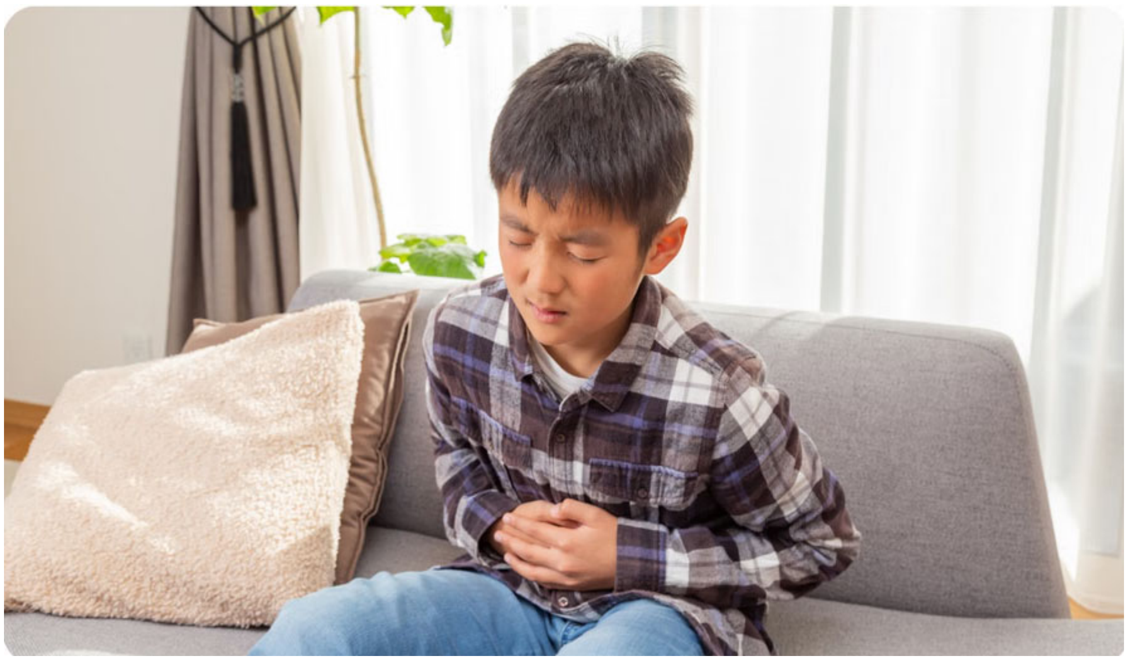

अजवाइन और काला नमक का अचूक नुस्खा

पेट की गैस को तुरंत दूर करने का सबसे पुराना और प्रभावी उपाय अजवाइन है। अजवाइन में 'थाइमोल' नामक यौगिक होता है, जो गैस्ट्रिक स्राव को उत्तेजित करता है। एक चम्मच अजवाइन को हल्के गर्म पानी के साथ काला नमक मिलाकर तुरंत खा लें। यह मिश्रण पेट की ऐंठन और गैस से कुछ ही मिनटों में राहत दिलाता है।

जीरा पानी और नींबू का जादू

जीरा बेहतरीन पाचन गुणों से भरपूर होता है। एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच जीरा पाउडर और आधा नींबू का रस मिलाकर पिएं। नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन में सुधार करता है, जबकि जीरा गैस को बनने से रोकता है। इसे पीने से पेट की सूजन (ब्लोटिंग) भी कम होती है।

हींग और अदरक की त्वरित राहत

हींग एक शक्तिशाली वातनाशक है। एक चुटकी हींग को गुनगुने पानी में घोलकर पीने से तुरंत आराम मिलता है। इसके अलावा आप अदरक का एक छोटा टुकड़ा चबा सकते हैं या अदरक की चाय पी सकते हैं जो गैस और पेट दर्द में तुरंत राहत दिला सकती है।

जीवनशैली में लाएं स्थायी बदलाव

गैस की समस्या से बचने के लिए, भोजन को हमेशा धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाकर खाएं। भोजन के तुरंत बाद लेटने या सोने से बचें और नियमित रूप से वज्रासन जैसे हल्के योग करें। इसके अलावा, दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की आदत डालें, यह कब्ज और गैस दोनों से बचाव में सहायक है। अगर आपको इन उपायों को आजमाने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा है, पेट में गैस और दर्द बढ़ता जा रहा है तो तुरंत किसी डॉक्टर से परामर्श लें।

प्रदूषण में बाहर निकलने से पहले जरूर बरतें ये सावधानियां, वरना जा सकती है आंखों की रोशनी

देशभर के कई शहरों में वायु प्रदूषण इन दिनों अपने चरम पर है। कई शहरों का एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 से पार चा चुका है। ऐसे में ये स्थिति वहां रहने वाले लोगों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। ये प्रदूषण हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। वहां की प्रदुषित हवा न सिर्फ हमारे फेफड़ों या हृदय को ही प्रभावित करती है, बल्कि यह हमारे शरीर के सबसे संवेदनशील अंग आंखों के लिए भी एक 'साइलेंट थ्रेट' बन चुका है। हवा में मौजूद PM2.5, नाइट्रिक ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड जैसे जहरीले कण सीधे आंखों की आंसू की परत को नुकसान पहुंचाते हैं। यह परत आंखों को नमी और सुरक्षा प्रदान करती है। प्रदूषण के संपर्क में आने से यह परत टूट जाती है, जिससे आंखों में सूखापन, जलन, खुजली और लालिमा जैसी शुरूआती समस्याएं होने लगती हैं। नेत्र विशेषज्ञों की मानें तो लंबे समय तक अत्यधिक प्रदुषित हवा के संपर्क में रहने से आंखों की रोशनी स्थायी रूप से कम होने या मैक्यूलर डीजनरेशन और मोतियाबिंद जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए बाहर निकलने से पहले आंखों की सुरक्षा के लिए विशेष सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

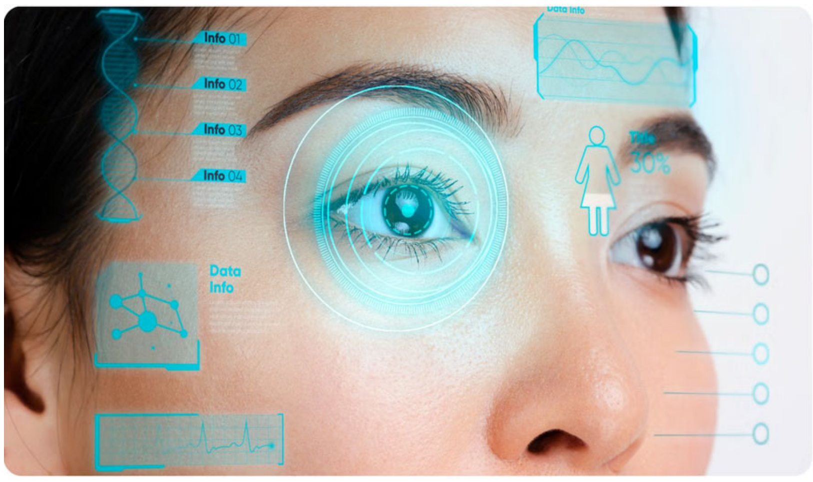

बाहर निकलने से पहले प्रोटेक्टिव गागल्स पहनें

जब भी आप प्रदूषण वाले वातावरण में बाहर निकलें, तो सुरक्षात्मक चश्मा या रैप-अराउंड धूप का चश्मा जरूर पहनें। ये चश्मे हानिकारक प्रदूषक कणों, धूल और धुएं को सीधे आंखों तक पहुंचने से रोकते हैं। इससे आंखों में जलन और बाहरी एलर्जी का खतरा काफी कम हो जाता है।

आंखों को छूने और रगड़ने से बचें

प्रदूषण में बाहर रहने के बाद अपने हाथों से आंखों को छूने या रगड़ने की गलती बिल्कुल न करें। आपके हाथों पर जहरीले कण जमा हो सकते हैं, जो रगड़ने पर आंखों के अंदर चले जाते हैं और गंभीर संक्रमण पैदा कर सकते हैं। घर आकर सबसे पहले अपने हाथ और चेहरा ठंडे पानी से धोएं।

आई ड्रॉप्स और हाइड्रेशन बनाए रखें

प्रदूषण आंखों को जल्दी सुखाता है। इस सूखेपन से बचने के लिए, डॉक्टर की सलाह पर लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप्स या आर्टिफिसियल टियर्स का इस्तेमाल करें। साथ ही शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए दिनभर खूब पानी पिएं। शरीर में पर्याप्त नमी रहने से आंसू की गुणवत्ता बनी रहती है।

20-20-20 नियम और पोषक तत्वों का सेवन

यदि आप लंबे समय तक डिजिटल स्क्रीन (मोबाइल/लैपटॉप) पर काम करते हैं, तो 20-20-20 नियम का पालन करें। हर 20 मिनट पर, 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखें। इसके साथ ही अपनी डाइट में विटामिन A, C और E, तथा ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थ (गाजर, पालक, अखरोट) शामिल करें, जो आंखों के स्वास्थ्य को अंदरूनी सुरक्षा प्रदान करते हैं।

नहाय-खाय के दिन पहनें ये शुभ रंग और कौन से रंगों से बनाएं दूरी

छठ पूजा की शुरूआत "नहाय-खाय" से होती है, जिसे शुद्धता और आस्था का प्रतीक माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु पवित्र नदी या तालाब में स्नान करके शरीर और मन की शुद्धि करते हैं तथा सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। वर्ष 2025 में छठ पूजा का पर्व 25 अक्तूबर शनिवार से शुरू होकर 28 अक्टूबर मंगलवार तक मनाया जाएगा। नहाय-खाय के दिन खास रंगों के वस्त्र धारण करने का भी विशेष महत्व होता है, क्योंकि रंग न केवल श्रद्धा बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का भी प्रतीक होते हैं। इस दिन महिलाओं के लिए सादगी और पवित्रता दर्शाने वाले रंग शुभ माने जाते हैं, जबकि गहरे और चमकीले रंगों से परहेज करना चाहिए। सही रंग का चयन न केवल पारंपरिक मान्यता को पूरा करता है बल्कि पूजा के वातावरण को भी शुद्ध और शांत बनाता है। इसी के चलते इस लेख में हम आपको बताएंगे कि नहाय खाय के दिन किन रंगों के कपड़े पहनने चाहिए और कौन से रंगों से दूरी बनानी चाहिए।

नहाय-खाय के दिन पहनें ये रंग

1. हल्का पीला रंग पहनें

हल्का पीला रंग सूर्यदेव की रोशनी और ऊर्जा का प्रतीक है। इसे पहनने से मन में सकारात्मकता और शांति बनी रहती है। धार्मिक दृष्टि से यह सबसे शुभ और पवित्र रंग माना जाता है।

2. लाल रंग पहनें

लाल रंग आस्था, शक्ति और शुभता का द्योतक है। व्रती महिलाएं इस रंग को विशेष रूप से पसंद करती हैं क्योंकि यह समर्पण और प्रेम का प्रतीक है। ये रंग पूजा के माहौल में उत्साह और जोश लाता है।

3. हल्का नारंगी या केसरिया रंग पहनें

ये रंग भक्ति, साधना और पवित्रता से जुड़ा हुआ है। छठ पूजा जैसे धार्मिक अवसर पर ये रंग आत्मिक संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। इस रंग के कपड़े नहाय-खाय जैसे पवित्र दिन पर अत्यंत उपयुक्त माने जाते हैं।

इन रंगों से बचें

1. काला रंग न पहनें

ऐसा माना जाता है कि काला रंग नकारात्मकता और अशुभता का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक पर्वों पर काला पहनना वर्जित होता है क्योंकि ये ऊर्जा को कम करता है।

2. नीला और ग्रे रंग से परहेज करें

ये दोनों ही रंग ठंडे और निष्क्रिय माने जाते हैं। इसलिए ऐसा माना जाता है कि पूजा जैसे ऊर्जावान अवसरों पर ये रंग माहौल की पवित्रता को कम कर देते हैं। इसलिए इन्हें भी पहनने से बचें।

3. बहुत चमकीले या सिंथेटिक रंग न पहनें

ये रंग धार्मिक वातावरण से मेल नहीं खाते। सिंथेटिक कपड़े पूजा के समय असुविधाजनक भी लगते हैं, इसलिए प्राकृतिक फैब्रिक जैसे कॉटन या सिल्क को प्राथमिकता दें।

एशिया कप हॉकी 2025 के लिए भारत नहीं आएगी पाकिस्तान टीम, एशिया कप से भी रहा था बाहर

○ एशिया कप हॉकी 2025 में पाकिस्तानी टीम ने हिस्सा नहीं लिया था। अब कुछ महीनों बाद पाकिस्तान ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 से भी अपना नाम वापस ले लिया है। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप भी इस साल नवंबर-दिसंबर में भारत में ही होना है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टी की है।

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के राजगीर में हुए इस साल एशिया कप हॉकी 2025 में पाकिस्तानी टीम ने हिस्सा नहीं लिया था। अब कुछ महीनों बाद पाकिस्तान ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 से भी अपना नाम वापस ले लिया है। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप भी इस साल नवंबर-दिसंबर में भारत में ही होना है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टी की है। FIH ने इस दौरान कहा कि, पाकिस्तान की जगह नई टीम की घोषणा जल्द की जाएगी। एफआईएच ने ये भी कहा कि टूनामेंट में पूरी संख्या में टीम्स शामिल होंगी। जिससे प्रतियोगिता बिना किसी रुकावट के जारी रह सके। जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाना है। वहीं इस टूनामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी। एफआईएच की ओर से पीटीआई को जारी बयान में कहा गया है कि, हम पुष्टि करते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ को सूचित किया है कि वे भारत में होने वाले एफआईएच मेन्स जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भाग नहीं लेंगे। पाकिस्तान इस टूनामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुका था। सूत्रों के अनुसार ये फैसला दोनों देशों के बीच हालिया तनावपूर्ण माहौल की पृष्ठभूमि में लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के हटने से ये टूनामेंट शायद ही प्रभावित होगा। बाकी टीमों की तैयारियां जोरों पर हैं। ये टूनामेंट दुनिया भर के उभरते युवा हॉकी खिलाड़ियों के लिए एक अहम मंच साबित होने जा रहा है। हाल ही में भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों पर प्रतिबंध की नीति को औपचारिक रूप दिया था।

बंदूक की नोक पर ट्रेड डील नहीं करते हम, बर्लिन में पीयूष गोयल की दो टूक

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत जल्दबाजी या दबाव में व्यापार समझौते नहीं करता। शुक्रवार को जर्मनी में बर्लिन संवाद में समझौतों को अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। गोयल ने कहा कि भारत उच्च टैरिफ के प्रभाव को कम करने और अपने निर्यातकों के लिए उचित व्यापार शर्तें सुनिश्चित करने के लिए नए बाजारों की भी तलाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण बाहरी दबाव के बजाय रणनीति और स्वार्थ से प्रेरित है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को

बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत केवल उन्हीं व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करेगा जो उसके दीर्घकालिक हितों के अनुकूल हों। गोयल ने कहा कि हम यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। हम अमेरिका से बात कर रहे हैं, लेकिन हम जल्दबाजी में सौदे नहीं करते, और न ही हम समय सीमा तय करके या बंदूक तानकर सौदे करते हैं। मंत्री महोदय ने कहा कि भारत व्यापार साझेदारी को मजबूत करने के लिए यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ सक्रिय रूप से चर्चा कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत सहयोग के लिए तैयार है, लेकिन गति के लिए अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी में या तात्कालिक आवेश में निर्णय नहीं लेता है।

उन्होंने आगे कहा कि व्यापार उचित और स्थायी व्यापार समझौते मिल रहे हैं। गोयल ने जोर देकर कहा कि भारत के निर्णय हमेशा उसके राष्ट्रीय हित पर आधारित होते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह तय किया है कि उसके मित्र कौन होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की साझेदारियां आपसी सम्मान पर आधारित हैं और देश यह स्वीकार नहीं करेगा कि उसे यह बताया जाए कि वह किसके साथ व्यापार कर सकता है और किसके साथ नहीं। गोयल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका कथित तौर पर भारत से रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का आग्रह कर रहा है। मंत्री की यह टिप्पणी वैश्विक व्यापार और विदेश नीति पर भारत के स्वतंत्र रुख को रेखांकित करती है। जो अपने लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम कार्य को प्राथमिकता देता है।

प्रतिका रावल ने एक साल के करियर में किए बड़े कीर्तिमान, महज 3 साल की उम्र में पकड़ा बल्ला, पिता के अधूरे सपने को किया पूरा

○ प्रतिका पढ़ाई में भी बेहद अच्छी थीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई और खेल के बीच बेहतरीन सामंजस्य बिठाया। उनके भाई का कहना है कि, उन्होंने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 92 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल किए। स्कूल में भी वह हर खेल खेलती थीं। उसके बाद वह क्रिकेट की स्टार बनीं और उसे अपना मेन खेल चुना।

एजेंसी

नई दिल्ली। इन दिनों भारतीय महिला क्रिकेट टीम में एक नाम काफी चर्चा में है। वो है, स्टार बैटर प्रतिका रावल जिन्होंने महज एक साल के क्रिकेट करियर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। प्रतिका ने अपने पिता का अधूरा सपना पूरा किया। दरअसल, प्रतिका के पिता प्रदीप खुद एक क्रिकेटर बनना चाहते थे। प्रतिका ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से अपने पिता का अधूरा सपना पूरा किया। उन्हें पिछले साल शेफाली वर्मा की जगह वेस्टइंडीज सीरीज के लिए बतौर ओपनर चुना गया। उस समय वह मानो उनके पिता प्रदीप रावल के लिए ऐसा लम्हा था कि उन्होंने अपने अधूरे सपने को पूरा कर लिया हो। प्रतिका के परिजनों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। प्रतिका ने महज 3 साल की उम्र से ही क्रिकेट खेलना शुरू किया हो लेकिन प्रतिका पढ़ाई में भी बेहद अच्छी थीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई और खेल के बीच बेहतरीन सामंजस्य बिठाया। उनके भाई का कहना है कि, उन्होंने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 92 प्रतिशत से ज्यादा अंक हासिल किए। स्कूल में भी वह हर खेल खेलती थीं। उसके बाद वह क्रिकेट की स्टार बनीं और उसे अपना मेन खेल चुना। प्रतिका के पिता ने इंडियन एक्सप्रेस को एक इंटरव्यू में बताया कि, उन्होंने अपनी यूनिवर्सिटी के दिनों तक क्रिकेट खेला। वह उस दौरान एक ऑलराउंडर थे जो हार्ड हिटिंग के साथ मध्यम गति का तेज गेंदबाज था। लेकिन उन्हें उस समय सही मौका और सलाह नहीं मिल पाई। प्रदीप रावल ने आगे बताया कि वह अपने बच्चे के जरिए अपना सपना पूरा करना चाहते थे। जब प्रतिका सिर्फ तीन साल की थी मैंने उसे बैट पकड़ना सिखाया था। प्रतिका के पिता ने आगे बताया कि, मैं बीसीसीआई का लेवल 1 अंपायर बन गया और प्रतिका मेरे साथ जाती थी और मैच देखकर कर आती थी। उसे बास्केटबॉल में भी रुचि थी, नेशनल लेवल पर मॉर्डन स्कूल के लिए उसने गोल्ड भी जीता। जब वह 10-12 साल की हुई तो हमने क्रिकेट क उसके भविष्य की सही राह के रूप में चुना। प्रतिका के सफल करियर में उनके पिता का अहम योगदान रहा है। उनके पिता ने उनके लिए ट्रेनिंग और उसे क्रिकेटर बनाने के लिए हर वो मेहनत की जिसकी उसको जरूरत थी। प्रदीप ने बताया कि कोविड के समय प्रतिका के करियर का सबसे कठिन समय था। उसी के कारण उसके करियर की शुरूआत में देरी हुई। प्रतिका के पिता ने उनके लिए घर की छत पर पोल और नेट बनवाया। वह रोज सुबह बेटी के साथ एक घंटे और शाम को एक घंटे प्रैक्टिस करते थे। वो जब तक अपना अभ्यास नहीं करती थी ना खाती थी ना ही सोती थी। बता दें कि, प्रतिका ने पिछले साल वनडे में अपना डेब्यू किया था।

वायदा बाजार में सोने, चांदी की कीमतों में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति को लेकर आशावाद के बीच कारोबारियों ने हालिया तेजी के बाद मुनाफावसूली की जिससे शुक्रवार को वायदा कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर आपूर्ति वाले अनुबंधों में सोने का भाव 1,109 रुपये या 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,22,995 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 12,958 लॉट के लिए कारोबार हुआ। फरवरी 2026 में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 1,075 रुपये यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,24,200 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। इसमें 2,239 लॉट का कारोबार हुआ। चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई। दिसंबर में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 2683 रुपये या 1.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,45,8291 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 21,080 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी तरह, मार्च 2026 में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 2,206 रुपये या 1.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,47,878 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

ओर्कला इंडिया का आईपीओ 29 अक्टूबर को खुलेगा,मूल्य दायरा 695-730 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। मसाला ब्रांड एमटीआर और ईस्टर्न के स्वामित्व वाली ओर्कला इंडिया ने अपने 1,667 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 695-730 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी बयान के अनुसार, आईपीओ 29 अक्टूबर को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुलेगा और 31 अक्टूबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 28 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। ओर्कला इंडिया का आईपीओ प्रवर्तक और अन्य शेयरधारकों द्वारा 2.28 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है जिसमें कोई नया निर्गम शामिल नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

बलिया में प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान थानाध्यक्ष को पांच मीटर तक घसीटा

पसलियां टूटीं, डीजे जब्त, चालकों पर होगी कार्रवाई

लखनऊ (संवाददाता)। बलिया कस्बे में लक्ष्मी पूजन के बाद प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। मुस्लिम बस्ती में बज रहे तेज आवाज वाले डीजे की शिकायत पर पर पहुंचे थानाध्यक्ष अजय कुमार त्रिपाठी डीजे ट्राली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्राली के बीच फंस जाने से लगभग पांच मीटर तक घिसटते चले गए। जब तक वाहन रुका, तब तक उनकी गरदन की हंसुली यानि कालर बोन तथा दो से तीन पसलियां टूट गईं। पुलिस विभाग में खलबली मच गई। घायल थानाध्यक्ष को उपचार के लिए पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगरा ले जाया गया। वहां हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया। स्थिति गंभीर देख बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। घटना के बाद मौके से दो डीजे ट्रालियों को जब्त कर लिया गया है।जानकारी के अनुसार लक्ष्मी पूजन के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन जुलूस निकाला जा रहा था। अधिकांश जुलूस समाप्त हो चुका था, किंतु दो मूर्तियां लेकर जा रहे वाहन पर तेज आवाज में डीजे बजाजा जा रहा था। डीजे की तेज आवाज और नाच-गाने से परेशान बस्ती के लोगों ने थानाध्यक्ष को फोन कर शिकायत की। थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे और युवाओं को डीजे बंद करने तथा वाहन आगे बढ़ाने का निर्देश दिया इसी बीच वह संकरे मार्ग के पास से दीवार से सट कर निकल रहे थे, तभी डीजे ट्राली अचानक चल पड़ी। थानाध्यक्ष दीवार और ट्राली के बीच फंस गए और आगे तक घिसटते चले गए। वाहन रोकने के लिए आवाज देने के बावजूद भी डीजे की आवाज के बीच वाहन नहीं रुका। जब युवाओं ने थानाध्यक्ष को फंसे हुए देखा तो बाहर निकाला। मूलरूप से आंबेडकरनगर के रहने वाले थानाध्यक्ष अजय की तैनाती डेढ़ माह पहले सितंबर में ही हुई थी।सीओ रसड़ा आलोक कुमार गुप्ता ने कहा कि डीजे ट्रालियों को जब्त किया गया है। संबंधित वाहन चालकों व आयोजकों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। घायल थानाध्यक्ष को लखनऊ वेदांता में भर्ती कराया गया है। पूजा समितियों को पहले ही डीजे की सीमा और मानक ध्वनि स्तर का निर्देश दिया गया था। नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

एमिटी यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने एनवायरनमेंट सोल्जर्स पहल से दिया सामाजिक बदलाव का संदेश

लखनऊ (संवाददाता)।एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ के विद्यार्थियों ने अपनू मन वैल्यूज एंड कम्युनिटी आउटरीच प्रोजेक्ट एनवायरनमेंट सोल्जर्स के तहत पर्यावरण जागरूकता और स्थायी विकास के संदेशों को समाज तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। यह प्रोजेक्ट उत्तम उत्थान समिति नामक एनजीओ के सहयोग से आर्यन अकादमी स्कूल (जो उक्त एनजीओ के अंतर्गत संचालित होता है) में संपन्न हुआ। 13 सप्ताह की इस पहल के दौरान विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, तथा अपशिष्ट पृथक्करण, जल संरक्षण और प्लास्टिक के दुष्प्रभाव जैसे विषयों पर जागरूकता सत्र आयोजित किए। इसका उद्देश्य बच्चों और समुदाय के लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना जागृअत करना था। एमिटी के विद्यार्थियों ने बच्चों को रोचक गतिविधियों और पाठों के माध्यम से एनवायरनमेंट सोल्जर्स बनने के लिए प्रेरित किया, एनजीओ के समन्वयकों ने विद्यार्थियों की लगन, समर्पण और पर्यावरण चेतना को समाज तक पहुँचाने के उनके प्रयासों की सराहना की।

प्रयागराज में पत्रकार की नृशंस हत्या-कानून व्यवस्था पर लोकदल अध्यक्ष ने उठाए गंभीर सवाल

लखनऊ (संवाददाता)। संगम नगरी प्रयागराज में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सिविल लाइंस क्षेत्र में वरिष्ठ पत्रकार एल.एन. सिंह की चाकुओं से गोदकर की गई निर्मम हत्या ने प्रदेश को हिला कर रख दिया है। पत्रकार पर 20 से 25 वार किए गए। एल.एन. सिंह लंबे समय से एक समाचार चैनल के लिए कार्यरत थे और सामाजिक मुद्दों पर निडरता से रिपोर्टिंग करते थे। यह घटना केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चैथे स्तंभ पर सीधा हमला है। इससे पहले दलित युवक रवींद्र कुमार की हत्या और अब पत्रकार की नृशंस हत्या ने प्रदेश की कानून व्यवस्था की सच्चाई उजागर कर दी है। जब पत्रकार और आम नागरिक असुरक्षित हैं, तो सरकार की कानून व्यवस्था पर भरोसा कैसे किया जाए? अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। यह सरकार की गंभीर विफलता है।

आबकारी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी और पुलिस विभाग ने शुक्रवार को संयुक्त कार्रवाई की। आबकारी आयुक्त और जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए गए अभियान में 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरबाद की गई। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संयुक्त टीम ने थाना रहीमाबाद क्षेत्र के ग्राम औलिया खेड़ा और आसपास के इलाकों में दबिश दी। छापेमारी के दौरान लगभग 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई, जबकि करीब 70 किलोग्राम लहन (कच्चा माल) मौके पर नष्ट कर दिया गया। इस संबंध में आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी करुणेन्द्र सिंह ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

योगी सरकार डिजिटल शासन नीति को दे रही है नई दिशा

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के सतत प्रयासों का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल मिशन कर्मयोगी को आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

बिहार जा रही प्राइवेट बस आगरा-एक्सप्रेस-वे पर पलटी, 13 यात्री घायल

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आगरा-एक्सप्रेस-वे पर एक प्राइवेट बस बेकाबू होकर पलट गई। बस रेलिंग को तोड़ते हुए करीब 15 फीट नीचे गिर गई। बस में सवार 13 यात्री घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। एक यात्री मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। 27 अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं। ड्राइवर-कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। हादसा शुक्रवार तड़के 4.30 बजे काकोरी इलाके में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर रेवरी टोल प्लाजा के पास हुआ। बस आनंद विहार दिल्ली से मुजफ्फरपुर बिहार जा रही थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। बिहार के गयाजी जिले का 21 साल का सागर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें, तो बस (यमपी 80 जेटी 8664) की रफ्तार काफी तेज थी। रेवरी टोल प्लाजा से करीब 2 किलोमीटर पहले बस अचानक बेकाबू हो गई। एक्सप्रेस-वे की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 15 फीट नीचे गड्ढे में गिर गई। बस में चीख-पुकार मच गई। किसी तरह यात्री बाहर निकले। घटना की पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दी। सूचना पर पुलिस, राहत

दल और एम्बुलेंस पहुंचा। हादसे में घायल हुए यात्रियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। बताया गया कि बस में 40 यात्री सवार थे। उनमें से बद्री शाह, ममता, कविता सिंह, अरविंद कुमार, राकेश, प्रीति, संजीव, पुनीत राजपूत, विक्की, रोशनी और सागर कुमार मामूली रूप से घायल हुए। यात्री सुधीर का हाथ टूट गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छुट्टी मिल गई। पुलिस ने सभी यात्रियों को दूसरी गाड़ी की व्यवस्था करके मुजफ्फरनगर, बिहार भेज दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ है। हादसे के बाद ड्राइवर और कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बस क्रेन से हटवाया। बस मालिक बस लेकर चला गया। ड्राइवर-कंडक्टर की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। उससे बस की स्पीड और अन्य जानकारियां हासिल होंगी। सतीश चंद्र राठौर प्रभारी निरीक्षक काकोरी ने बताया कि सूचना पर मौके पर पुलिस और एम्बुलेंस पहुंची थी। घायलों को काकोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया था। उन्हें मामूली चोट आई थी। सभी को भेज दिया गया है। किसी तरह की कोई लिखित शिकायत नहीं आई है।

नगर निमग में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन, 10 नवम्बर को महा आंदोलन की चेतावनी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों का प्रदर्शन आज भी चल रहा है। उत्तर प्रदेश

स्थानीय निकाय कर्मचारी संघ के बैनर तले कर्मचारी 17 अक्टूबर से प्रदर्शन कर रहे हैं। मांगें न पूरी होने पर 10 नंबर को महा आंदोलन करने की चेतावनी दी है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर नारेबाजी की। महासंघ के अनुसार, कर्मचारियों की 10 सूत्रीय मांग पिछले आठ वर्षों से नगर विकास विभाग में लंबित है। इनमें मुख्य रूप से अकेंद्रित कर्मचारियों की सेवा नियमावली और 31 दिसंबर 2001 तक दैनिक वेतन, संविदा तथा तदर्थ (धारा 108) पर कार्यरत कर्मचारियों का नियमितीकरण शामिल है। महासंघ ने बताया कि समय-समय पर मंत्री नगर विकास और प्रमुख सचिव स्तर पर कई महत्वपूर्ण बैठकें हो चुकी हैं। समाधान का आश्वासन दिया गया था लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रदर्शन में शामिल संघ के प्रदेशाध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि 17 अक्टूबर से धरना जारी है। 9 अक्टूबर गांधी प्रतिमा पर विशाल धरना प्रदर्शन किया था। जिसके माध्यम से मांगों के संबंध में सीएम योगी का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश किया, उसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। ज्ञापन के माध्यम से हमने चेतावनी दिया था कि 8 नवंबर तक अगर कोई बात नहीं बनी तो 10 नंबर से हम लोग पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन कार्य बंदी करेंगे। फिलहाल नगर निगम मुख्यालय पर कार्यदिवस में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धरना जारी है। जिसमें सभी इकाइयों से कम से कम पांच प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। प्रदेश के 17 नगर निगमों से जुड़े हजारों कर्मचारी इस आंदोलन से जुड़ने को तैयार हैं।

छठ महापर्व पर चारबाग स्टेशन पर अलर्ट: अफसरों ने सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की

लखनऊ (संवाददाता)। छठ महापर्व को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को एफआईआर इंस्पेक्टर भूपेंद्र सिंह और स्टेशन डायरेक्टर प्रशांत कुमार ने चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 स्थित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने बताया कि स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। रेलवे प्रशासन ने बताया कि छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त वायरलेस सेट और लाउडहेलर उपलब्ध कराए गए हैं।

पेड़ों में पानी डालने गए युवक की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

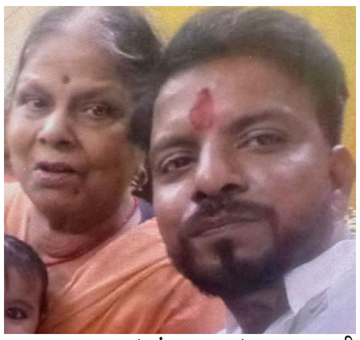

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के सहादतगंज इलाके में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। यहां रहने वाले 39 वर्षीय अनिल वर्मा की तीसरी मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, सुबह के समय अनिल अपने घर की बालकनी से पेड़ों में पानी डाल रहे थे, तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। परिजन और आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सुबह करीब 7.30 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। अनिल वर्मा इवेंट मैनेजमेंट का काम करते थे और अपने व्यवहार के लिए मोहल्ले में काफी लोकप्रिय थे। उनके साले सौरभ ने बताया कि हादसे के समय घर के सभी सदस्य मौजूद थे। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अनिल के परिवार में पत्नी शिल्पी वर्मा हैं, जो क्वीन मैरी अस्पताल में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत हैं। उनके दो बच्चे हैं। 12 साल की बेटी अशी और 4 साल का बेटा सुभाष। दोनों बच्चे पिता के निधन से सदमे में हैं। अनिल के पिता, राधेश्याम वर्मा, जाने-माने नेत्र सर्जन थे जिनका निधन वर्ष 2022 में हो गया था। परिवार पहले से ही पिता के निधन के दुख से उबर नहीं पाया था कि अब अनिल की आकस्मिक मौत ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया है।

बारी जाति के पुस्तैनी भूमि पर कब्जे का प्रयास, पीड़ितों ने थाने में लगाई न्याय की गुहार

गोण्डा। थाना धानेपुर क्षेत्र के टहलुवन पुरवा, मौजा माधवगंज के रहने वाले दो ग्रामीणों ने अपनी पुस्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा करने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र सौंपा है। पीड़ित रवीन्द्र कुमार एवं संदीप कुमार का कहना है कि विवादित भूमि का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद विपक्षी पक्ष के लोग जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीन पर नींव भरवायी थी, जिसे विपक्षियों द्वारा धीरे-धीरे तोड़ा जाता रहा और वर्तमान में विपक्षीगण कन्हैया लाल, दीपू, अर्जुन, कृष्ण कुमार एवं लगभग 10 अज्ञात लोग मौके पर पहुँचकर पूरी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़ित पक्ष के अनुसार जब उन्होंने इसका विरोध किया तो विपक्षियों ने अभद्रता करते हुए कहा कि, न्यायालय गरीबों का होता है, हमारे लिए नहीं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि विपक्षीगण पीड़ितों का 8 फुट सरिया उठा ले गए और नींव को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थिति तनावपूर्ण होने पर स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुँची और दोनों पक्षों को थाने बुलाने की बात कही। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि विपक्षी दबंग प्रवृत्ति के हैं और जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। जिससे उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर भय बना हुआ है। पीड़ित पक्ष ने थाना धानेपुर प्रभारी निरीक्षक से न्याय एवं सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

छठ महापर्व की शुरूआत, सूर्य उपासना और आस्था का पर्व

मनीष सुसारी

प्रयागराज। लोक आस्था का महान पर्व छठ आज से आरंभ हो गया है। इस पर्व में सूर्य देव और छठी मैया की पूजा-अर्चना की जाती है। छठ व्रत मुख्य रूप से महिलाएं संतान की दीघार्यु, परिवार के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना के लिए करती हैं। इस वर्ष छठ महापर्व 25 अक्टूबर (शनिवार) से शुरू होकर 28 अक्टूबर (मंगलवार) तक चलेगा। चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान के प्रत्येक चरण झ्र नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य झ्र का अपना विशेष धार्मिक महत्व होता है। शास्त्रों के अनुसार, कार्तिक माह में सूर्य अपनी नीच राशि में स्थित रहता है, इसलिए इस अवधि में सूर्य उपासना का विशेष फल मिलता है। मान्यता है कि छठी मैया संतान की रक्षक, धन-समृद्धि और परिवार की मंगलकर्ता देवी हैं। घरों, घाटों और नदी तटों पर श्रद्धा, भक्ति और स्वच्छता से युक्त तैयारियाँ की जा चुकी हैं। भजन, लोकगीत और पारंपरिक व्रत कथाओं से वातावरण भक्तिमय हो उठा है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती समारोह को लेकर प्रयागराज में संयुक्त जिला योजना बैठक सम्पन्न

मनीष सुसारी

प्रयागराज। भारत रत्न और लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर प्रयागराज महानगर, गंगापार और यमुनापार भाजपा संगठनों की संयुक्त जिला योजना बैठक आज भाजपा जिला कार्यालय प्रयागराज में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष श्री दिलीप पटेल ने मार्गदर्शन प्रदान किया, जबकि समापन सत्र का संचालन यमुनापार के जिलाध्यक्ष श्री राजेश शुक्ला द्वारा किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारीगण, सांसद, विधायक, महापौर, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं अभियान से जुड़े भाजपा कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस दौरान सरदार पटेल की जयंती को विशाल जनभागीदारी, राष्ट्र निर्माण के संकल्प और एकता-अभियान के रूप में मनाने का संकल्प लिया गया। समारोह से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों पर विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि सरदार पटेल की राष्ट्र-निर्माण में भूमिका ऐतिहासिक और प्रेरणादायक है, इसलिए उनकी जयंती को भव्य और अनुशासित तरीके से मनाया जाएगा।

छठ पूजा के अवसर पर शाहपुर आवास विकास कॉलोनी में भण्डारे का आयोजन

गोरखपुर। छठ पूजा के पावन पर्व के अवसर पर शाहपुर आवास विकास कॉलोनी स्थित गीता वाटिका बड़े पार्क में 28 अक्टूबर (मंगलवार) को दोपहर 1 बजे से भव्य भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है। भण्डारे का आयोजन पिंकू वर्मा (अमित) द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों ने सभी भक्तगणों एवं स्थानीय नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर पहुँचकर छठी मइया के भण्डारे का प्रसाद ग्रहण करें और इस धार्मिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ। आयोजकों ने कहा कि छठ पूजा लोक आस्था एवं सूर्य उपासना का महापर्व है। इसमें सामूहिक भाव एवं श्रद्धा का विशेष महत्व है।

पुलिस उप महानिरीक्षक एस. चन्नप्पा ने मंडलायुक्त व डीएम के साथ छठ घाटों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमित वर्मा

देवरिया। आगामी छठ पूजा पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) गोरखपुर परिक्षेत्र एस. चन्नप्पा ने शुक्रवार को जनपद देवरिया का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मंडलायुक्त गोरखपुर अनिल ढींगरा, जिलाधिकारी देवरिया एवं पुलिस अधीक्षक देवरिया सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत हनुमान मंदिर पोखरा एवं हाथी कुंड छठ घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने घाटों की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या भीड़भाड़ से परेशानी न हो। डीआईजी एस. चन्नप्पा ने कहा कि छठ पूजा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर एकत्र होते हैं, इसलिए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने संबंधित थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि प्रत्येक घाट पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी पूर्व निर्धारित प्लान के अनुसार लगाई जाए तथा गश्त की व्यवस्था लगातार बनी रहे। मंडलायुक्त अनिल ढींगरा ने नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी छठ घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों तक जाने वाले मार्गों की मरम्मत और समतलीकरण कार्य समय से पूर्ण कर लिया जाए। डीएम देवरिया ने कहा कि छठ पर्व आस्था और विश्वास का प्रतीक है, इसलिए प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि सभी श्रद्धालु सुरक्षित और सहज वातावरण में पर्व संपन्न कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी घाट पर सुरक्षा मानकों में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। डीआईजी ने यह भी कहा कि छठ पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष योजना लागू की जाए। पार्किंग स्थल पूर्व निर्धारित किए जाएं और पुलिस बल वहां तैनात रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि घाटों के आसपास किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भीड़भाड़ न होने पाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक एस. चन्नप्पा ने अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि छठ पर्व पूर्वांचल का सबसे बड़ा लोकपर्व है, इसमें सभी विभागों का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि सभी विभाग योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें तो पर्व को शांति और सौहार्द के वातावरण में सम्पन्न कराया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त अनिल ढींगरा, जिलाधिकारी देवरिया, पुलिस अधीक्षक देवरिया, नगर पालिका अधिकारी, कोतवाली पुलिस सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

छठ पूजा पर कनकेश्वरी नंद गिरी के आश्रम में भजन संध्या व भंडारे का आयोजन

कार्यक्रम में शामिल होंगी किन्नर पीठाधीश्वर प्रो. डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी

गोरखपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर 29 अक्टूबर को महामंडलेश्वर कनकेश्वरी नंद गिरी (किरन बाबा) के आश्रम पीपीगंज, गौरेशंकर मंदिर निकट टीचर कॉलोनी में भजन संध्या और भंडारे का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में किन्नर अखाड़ा की प्रमुख हस्तियों की विशेष उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम संयोजिका महामंडलेश्वर कनकेश्वरी नंद गिरी ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि इस अवसर पर किन्नर पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर प्रो. डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी एवं फिल्म जगत की प्रसिद्ध अभिनेत्री व महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी (श्री यमाई ममता नंदगिरी) विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी। दोनों अतिथियों का भव्य स्वागत 28 अक्टूबर को गोरखपुर एयरपोर्ट पर किया जाएगा। इसके बाद 29 अक्टूबर को शाम 6 बजे पीपीगंज स्थित आश्रम में भजन संध्या और भंडारे का आयोजन होगा। महामंडलेश्वर कनकेश्वरी नंद गिरी ने बताया कि वह बीते 27 वर्षों से छठ महापर्व पर चार दिनों तक निर्जला व्रत रखती हैं और जमीन पर लेटकर घाट तक जाती हैं। यह व्रत वह अपने यजमानों की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए करती हैं। उन्होंने कहा कि इस बार छठ पंडाल को नया आकर्षक रूप दिया गया है, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस भव्य धार्मिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

नेशनल जिम प्रीमियर लीग सीजन 3 का भव्य उद्घाटन 29 अक्टूबर को

गोरखपुर। शहर के ख्याति प्राप्त बॉडीबिल्डर एवं वायुसेना के पूर्व अधिकारी स्व.परमात्मा पांडेय की स्मृति में नेशनल जिम प्रीमियर लीग (NJPL) सीजन-3 क्रिकेट टूनामेंट का भव्य उद्घाटन 29 अक्टूबर को सैय्यद मोदी स्टेडियम में एक भव्य समारोह मे किया जाएगा। मैच के आयोजन समिति के संयोजक रजत पाण्डेय ने रविवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पांच दिवसीय इस प्रतिष्ठित क्रिकेट टूनामेंट में कुल 14 टीमें भाग ले रही हैं, जिसमें अदालत, सिविल वॉरियर्स, एग्रो एजेंसीज, स्पार्टन्स, मनोज मेडिकल, खानदान, रुबारू, आदर्श एसोसिएट्स, सोलर रेडियन्स, एवीएस, फैब्रिको, निक नैक नाइट्स, राइनो और शिवम ऑनामेंट्स शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ह्लफिट इंडिया - हिट इंडियाह्व के संकल्प को सशक्त करना है। उन्होंने बताया कि पिछले दो सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह तीसरा सीजन और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक होने वाला है। नेशनल जिम प्रीमियर लीग की यह यात्रा खेल, मनोरंजन और खेल भावना का अद्भुत संगम होगा, जहाँ हर छक्का, हर विकेट और हर जीत दर्शकों के दिलों को छू जाएगी। उन्होंने कहा कि पांच दिनों तक चलने वाले डे नाइट मैच का ग्रैंड फिनाले 2 नवंबर को होगा, अंतिम दिन महिलाओं की दो टीमें भी मैच खेलेंगी। श्री पाण्डेय ने यह भी बताया कि विजेताओं को ट्रॉफी के साथ साथ आकर्षक प्राइज मनी भी दिया जाएगा। श्री पाण्डेय ने बताया कि खिलाड़ियों के उत्साह को देखते हुए मैच को हर तरह से अत्याधुनिक बनाने की कोशिश की जा रही है, मैच की लाइव स्ट्रीमिंग भी की जाएगी, जिससे दर्शक घर बैठे डिजिटल प्लेटफार्म से मैच का नजारा ले सकेंगे।उन्होंने बताया कि इस टूनामेंट में थर्ड अंपायर रिव्यू सिस्टम का भी प्रयोग किया जाएगा। इसके अलावा चीयर लीडर्स, लार्ज एलईडी स्क्रीन, फायर शो के माध्यम से दर्शकों के लिए मनोरंजन का भी खास ध्यान भी रखा गया है। उन्होंने गोरखपुर के लोगों से अपील किया है कि वे ग्राउंड पर आए और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं और साथ ही मैच का भी आनंद लें। इस मौके पर पर डा. अमरनाथ जायसवाल, अजय सिंह, आदर्श त्रिपाठी, विजय सराफ, प्रतीक पांडेय, अंकित पांडेय, अमित सिंह, किशन अग्रवाल, जापनीश सिंह, वसीम खान, पूर्णिमा मिश्रा, साहिल सहानी और मनीष यादव भी उपस्थित रहे।

भूख मिटाने का संकल्प: ISKCON Gorakhpur का Food For Life अभियान

गोरखपुर। इस्कॉन मंदिर गोरखपुर में शनिवार को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में फूड फॉर लाइफ (Food For Life) योजना को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर इस्कॉन मंदिर के वरिष्ठ सेवक रवि मित्तल (प्रभु जी) ने बताया कि फूड फॉर लाइफ इस्कॉन द्वारा संचालित एक वैश्विक मानव सेवा मिशन है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दुनिया में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। प्रभुजी ने बताया कि इस्कॉन गोरखपुर में प्रतिदिन हजारों लोगों को शुद्ध सात्विक प्रसादम निःशुल्क वितरित किया जाता है। मंदिर के सेवक और स्वयंसेवक मिलकर जरूरतमंदों, विद्यार्थियों और निर्धन परिवारों तक भोजन पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सेवा का मुख्य संदेश है — सेवा ही सच्ची भक्ति है। रवि मित्तल प्रभु ने बताया कि यह अभियान सिर्फ भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों में सद्भाव, भक्ति और आत्मिक संतुलन का प्रसार करना भी है। उन्होंने बताया कि फूड फॉर लाइफ कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों, अस्पतालों और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भी निःशुल्क भोजन वितरण किया जाता है। उन्होंने गोरखपुर के श्रद्धालुओं से अपील की कि वे इस सेवा कार्य से जुड़कर समाज में योगदान दें और अपने जीवन में भक्ति, करुणा और सेवा भाव को अपनाएं।

संत शिरोमणि नामदेव जी की जयंती पर समाजवादी पार्टी ने दी श्रद्धांजलि

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर संत शिरोमणि नामदेव जी की जयंती का आयोजन जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में मनाया गया। संचालन जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया। कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव जी का जीवन हमेशा दलितों, पिछड़ों और शोषितों के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने पूरे देश में भ्रमण कर समाज में चेतना जगाने के साथ समता, समानता और सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित सभी से अपील की कि उनकी आदर्शों पर चलने का संकल्प लें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महासचिव रामनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष हरी यादव, महानगर महासचिव बृजनाथ मौर्य, राघवेन्द्र तिवारी, राजू मैना, भाई सच्चिदानंद यादव, जितेंद्र श्रीवास्तव, कपिल मुनि यादव, बालेन्द्र यादव, राहुल यादव, विपिन, अमित कुमार शर्मा, ईश्वर चंद्र यादव, मोहम्मद रजा, सर्वेश यादव, मोहम्मद सलीम, लक्ष्मन यादव, महेंद्र यादव, ख्वाजा ताजुद्दीन, असरारुल हक, मेराज अहमद, विशाल कुमार, नवरंग चौधरी, करन यादव, सत्यदेव यादव, श्याम सुंदर आदि उपस्थित रहे।

69वीं माध्यमिक विद्यालयीय मण्डलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता गोरखपुर में आयोजित

गोरखपुर। गोरखपुर मण्डल के तहत 69वीं माध्यमिक विद्यालयीय मण्डलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य आयोजन आज महात्मा गांधी इण्टरमीडिएट कॉलेज, गोरखपुर में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित किया गया, जिसमें मण्डलीय क्रीड़ा सचिव डॉ. अरुणेन्द्र राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से नेतृत्व तथा अनुशासन जैसे गुणों का विकास करना है। प्रतियोगिता के आयोजन में महात्मा गांधी इण्टरमीडिएट कॉलेज, गोरखपुर के प्राचार्य ओम प्रकाश सिंह, सह-संयोजक डॉ. अमरकान्त सिंह, प्रबंधक मंकेश्वर नाथ पाण्डेय और अन्य शिक्षण स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन समारोह 27 अक्टूबर 2025 को अपराह्न 3:00 बजे होगा, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर सह-आयोजक एवं प्रधानाचार्य ध्रुवव्रत पाण्डेय, संयोजक सतीश सिंह और संयुक्त शिक्षा निदेशक, सप्तम मण्डल, गोरखपुर भी उपस्थित रहेंगे।

शिशु वाटिका में बच्चों ने धूमधाम से मनाया छठ महापर्व

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर के शिशु वाटिका विभाग में नौनिहालों द्वारा छठ महापर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। बच्चों ने छठ पर्व से संबंधित सुन्दर सांस्कृतिक झांकी प्रस्तुत कर त्योहार की महत्ता को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह सूर्य उपासना का पर्व है, जो प्रकृति, जल और जीवन के संतुलन को दशार्ता है। छठ मइया और भगवान भास्कर की पूजा के माध्यम से परिवार की सुख-समृद्धि और संतान के कल्याण की कामना की जाती है। यह पर्व अनुशासन, शुद्धता और आस्था का विशेष उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर प्रथम सहायक श्रीमती रुक्मिणी उपाध्याय, विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री महेश गर्ग सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया तथा आचार्या बहनों द्वारा छठ के लोकगीतों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम का माहौल भक्तिमय बना दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन एवं रूपरेखा शिशु वाटिका प्रमुख श्रीमती मीनाक्षी राजपूत के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त परिवार उपस्थित रहा।

SP North Inspects Chhath Ghats, Issues Security Directives

Amit Verma

Gorakhpur:"With the aim of ensuring a safe and peaceful celebration of the upcoming Chhath Puja, under the direction of Senior Superintendent of Police Raj Karan Nayyar, Superintendent of Police – Uttari, Jitendra Kumar Srivastava, on Saturday inspected several ghats in the jurisdiction of Police Station Sahjanwan.

During the inspection, the SP evaluated the ghats' security arrangements, cleanliness, barricading, lighting, crowd-management, and the preparation for the safety of women devotees. He issued detailed instructions to the present officers and staff, saying that during Chhath Puja special attention must be given to devotees' convenience alongside the security arrangements.

He stated that a large number of devotees gather at river and pond ghats during the festival, and therefore the police force must remain alert. He directed that police pickets, fire-units, and emergency assistance teams be deployed near the ghats. All station-in-charges were urged to maintain special vigilance in their respective areas to handle any untoward situation.

SP Jitendra Kumar Srivastava further said that female police personnel should be deployed at all ghats so that women can perform the rituals without fear. He instructed officials to install barricades and directional signage on the routes for crowd control."“He also advised that for smooth traffic management coordination with the traffic police be established. Parking sites should be pre-identified for devotees, with sufficient lighting and security in place.

The SP emphasized that Chhath is a festival of faith and belief, and it is the responsibility of the police administration to ensure it is conducted in a peaceful and harmonious environment. He directed that special patrols be held at sensitive ghats and continuous monitoring be maintained.

The inspection was attended by the Station-In-Charge of Police Station Sahjanwan and other area officers and personnel. The SP reminded all that no lapse should occur in administrative or police arrangements so that devotees can celebrate the festival in a secure and well-organized atmosphere.

ABVP Showcases the Cultural and Environmental Significance of Chhath Festival

Gorakhpur | Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP), under its cultural wing Rashtriya Kala Manch, Gorakhpur Metropolitan, organized a series of cultural events on the occasion of Chhath festival at Chandrakanti Ramawati Mahila Mahavidyalaya. The event highlighted the deep cultural heritage and environmental values associated with the festival.

The program featured theatrical performances, dance recitals, and musical competitions, in which students presented the spiritual essence and environmental message embedded in Chhath."In the competitions, Riddhima was awarded in the solo singing category, while Sagar was honored for the best stage play performance.

Speaking on the occasion, Dr. Archana Singh, Vice President, ABVP Gorakhpur Metropolitan, said:

"Chhath Mahaparv is a unique festival of Indian culture, representing the harmony of faith, nature, and discipline. Through the worship of the Sun, the festival imparts a strong environmental message of gratitude and respect for nature. At a time when cultural erosion and ecological imbalance are major concerns, Chhath reconnects us with our cultural roots and natural values."

Addressing the gathering, Aradhya Srivastava, Convenor of Rashtriya Kala Manch, said:

"ABVP strongly believes that student power is nation power. Students are not merely learners but the architects of the nation's future. Through cultural, social, and intellectual programs, we aim to foster patriotism, discipline, service, and strong values among students, encouraging them to contribute meaningfully toward society and nation-building."

The program was attended by Principal Suman Singh, ABVP National Executive Member Sampada Dwivedi, Prachi Gupta, and a large number of students.

Grand Bhajan Sandhya and Community Feast to Mark Chhath Puja at Kankeshwari Nand Giri Ashram

Gorakhpur:"On the occasion of the revered Chhath festival, a grand Bhajan Sandhya (devotional evening) and Bhandara (community feast) will be organized on 29 October at the ashram of Mahamandaleshwar Kankeshwari Nand Giri (Kiran Baba) located at PP Ganj, near Gaurishankar Temple, Teacher Colony, Gorakhpur. The event will feature the special presence of leading figures from the Kinnar Akhara.

During a press briefing, Mahamandaleshwar Kankeshwari Nand Giri informed that Kinnar Pithadhishwar Acharya Mahamandaleshwar Prof. Dr. Laxmi Narayan Tripathi and renowned actress and Mahamandaleshwar Mamta Kulkarni (Sri Yamai Mamta Nandgiri) will attend as special guests.

Both guests will receive a ceremonial welcome at Gorakhpur Airport on 28 October, followed by the main devotional program and community feast at the ashram on 29 October at 6:00 PM.

Mahamandaleshwar Kankeshwari Nand Giri also

shared that she has been observing a four-day 'Nirjala' (waterless) fast during Chhath for the past 27 years, performing the rituals by lying on the ground and proceeding to the river ghat for worship. She performs this penance for the welfare, prosperity, and well-being of her devotees (yajmans).

She further announced that the Chhath Pandal has been decorated in an attractive new theme this year, which is expected to be a special attraction for devotees. She appealed to all followers and worshippers to attend the grand religious event in large numbers.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।